भारत सरकार

योजना मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4326

दिनांक 18.03.2026 को उत्तर देने के लिए

राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन

4326. **श्री आनंद भदौरिया:**

क्या **योजना मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन (एनएमपी)-1.0 के अंतर्गत वर्ष 2021-22 से 2024-25 के दौरान लगभग 6 लाख करोड़ रुपये की परिसंपत्तियों का मुद्रीकरण/विक्रय किया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा एनएमपी-1.0 के अंतर्गत मुद्रीकृत परिसंपत्तियों का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने वर्ष 2025 से 2030 के बीच 16.72 लाख करोड़ रुपये मूल्य की सरकारी परिसंपत्तियों के मुद्रीकरण/विक्रय के लिए एनएमपी 2.0 की घोषणा की है?

(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी वर्ष-वार तथा परिसंपत्ति-वार ब्यौरा क्या है; और

(ङ) सरकारी परिसंपत्तियों के इस प्रकार बड़े पैमाने पर मुद्रीकरण/विक्रय के क्या कारण हैं?

उत्तर

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय;

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) योजना मंत्रालय एवं

राज्यमंत्री, संस्कृति मंत्रालय

(राव इंद्रजीत सिंह)

(क) एवं (ख) राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन 1.0 (एनएमपी 1.0) में चार वर्ष की अवधि (2021-22 से 2024-25) के दौरान 6 लाख करोड़ रुपये की मुद्रीकरण क्षमता वाली परिसंपत्तियां शामिल थीं, जिनमें से लगभग 5.3 लाख करोड़ रुपये प्राप्त कर लिए गए थे। इसमें पहले तीन वर्षों (2021-22 से 2023-

24) के दौरान 3.87 लाख करोड़ रुपये और चौथे वर्ष (2024-25) के दौरान 1.43 लाख करोड़ रुपये शामिल थे।

एनएमपी 1.0 के तहत प्रमुख क्षेत्रों की उपलब्धियों में (लगभग लाख करोड़ रु.) सड़कें - 1.1; रेलवे - 0.3; विद्युत - 0.5; पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस - 0.4; कोयला - 2; पोत परिवहन - 0.2; खान - 0.4; और शहरी - 0.1 शामिल हैं।

एनएमपी 1.0 के तहत मुद्रीकृत परियोजना परिसंपत्तियों की श्रेणी में मुख्य रूप से टोल सड़कें, बंदरगाह टर्मिनल, भंडारण गोदाम, सौर ऊर्जा संयंत्र, गति शक्ति टर्मिनल, कॉलोनियों का पुनर्विकास, बिजली उत्पादन और पारषेण परिसंपत्तियाँ, खोजे गए छोटे क्षेत्र, कोयला, खनिज खनन आदि शामिल हैं। परियोजना विशिष्ट पहलुओं जैसे कि कार्यक्षेत्र, निवेश का विवरण से संबंधित परियोजना प्रायोजक प्राधिकरणों द्वारा संभाला जाता है।

(ग) से (ङ) केंद्रीय बजट 2025-26 ने देश में बुनियादी ढांचे के निर्माण को और तेज करने के लिए 10 लाख करोड़ रुपये वापस लगाने के लिए एनएमपी 2.0 लॉन्च करने की घोषणा की। तदनुसार, राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन 2.0 (एनएमपी 2.0) 23 फरवरी, 2026 को लॉन्च की गई थी।

एनएमपी 2.0 ने वित्त वर्ष 2026 से वित्त वर्ष 2030 तक पांच वर्ष की अवधि में केंद्र सरकार की मुख्य परिसंपत्तियों के मुद्रीकरण के माध्यम से 5.8 लाख करोड़ रुपये के निजी क्षेत्र के निवेश सहित कुल 16.72 लाख करोड़ रुपये के मुद्रीकरण की संभावना का अनुमान लगाया है।

मूल्य के आधार पर वार्षिक चरणबद्धता की दृष्टि से, लगभग 2.49, 3.26, 3.46, 3.68 और 3.81 लाख करोड़ रुपये के सांकेतिक मूल्यों वाली परिसंपत्तियों को क्रमशः वित्त वर्ष 2026, वित्त वर्ष 2027, वित्त वर्ष 2028, वित्त वर्ष 2029 और वित्त वर्ष 2030 में शुरू करने की परिकल्पना की गई है।

इनमें शामिल क्षेत्रों के साथ-साथ उनके सांकेतिक परिसंपत्ति मूल्य (लाख करोड़ रुपये में) लगभग हैं: राजमार्ग (एमएमएलपी और रोपवे सहित) - 4.42; रेलवे - 2.62; विद्युत - 2.76; पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस - 0.16; नागर विमानन - 0.27; बंदरगाह - 2.63; गोदाम और भंडारण - 0.10; शहरी - 0.52; कोयला - 2.16; खनन - 1.0; दूरसंचार - 0.048; और पर्यटन - 0.012।

एनएमपी उत्पादक सार्वजनिक परिसंपत्तियों के पुनर्चक्रण को सक्षम बनाता है, जिससे नई परियोजनाओं और पूंजीगत व्यय में पुनर्निवेश के लिए संसाधनों को अनलॉक किया जा सकता है। यह सार्वजनिक

परिसंपत्तियों में पूँजीगत व्यय के लिए निधि के कुशल संग्रहण की सुविधा प्रदान करने के साथ-साथ सरकार के बजटीय परिव्यय को कम करता है।

***